

प्रेषक,

राजेन्द्र सिंह,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

राज्य परियोजना निदेशक,
उत्तराखण्ड सभी के लिय शिक्षा परिषद्,
मयूर विहार, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक): देहरादून: दिनांक: 23 अगस्त, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-08 में एस.सी.पी. एवं टी.एस.पी. योजनाओं में
वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-599(1)/XXVII(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई, 2007 तथा शासनादेश संख्या-548/XXIV(1)/2007-52/2006, दिनांक 14.08.2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं पर व्यय हेतु अनुसूचित जातियों के कल्याण हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष में रु0 152000 हजार (रुपये पन्द्रह करोड़ बीस लाख मात्र) तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष में रु0 15900 हजार (रुपये एक करोड़ उन्सठ लाख मात्र) की धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ आपके निवर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि आहरण वितरण अधिकारी मात्र बचनबद्ध मदों पर ही व्यय किया जायेगा। उक्त मदों से भिन्न मदों में व्यय हेतु धनराशि के आहरण के प्रस्ताव पूर्ण औचित्य के साथ वित्त विभाग की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेंगे।

2. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल चालू योजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा तक ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष की नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/ शासनादेशों के तहत निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

- (1) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त हो जायेगी।
- (2) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुवल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (3) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (4) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्याधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (5) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- (6) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये। उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
- (7) अवशेष धनराशि की जिलावार फॉट एवं अनुदान संबंधी योजनाओं के गत वर्ष स्वीकृत धनराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र इसी माह के अन्त तक शासन को प्रस्तुत कर दिये जाये, तभी अवशेष धनराशि की स्वीकृत निर्गत किया जाना सम्भव होगा।
- (8) स्वीकृत धनराशि की जिलावार फॉट संबंधित जिलों एवं शासन को तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

3. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-30 एवं 31 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

4. आयोजनागत पक्ष की अवचनबद्ध योजनाओं में आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि शासन के अनुमति से ही व्यय की जायेगी।

5. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-291(P)/वित्त अनुभाग-3/2007, दिनांक 20 अगस्त, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न:-यथोपरि।

भवदीय,
(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड (राज्य परियोजना निदेशक के माध्यम से)।
3. समस्त अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक), उत्तराखण्ड (राज्य परियोजना निदेशक के माध्यम से)।
4. वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव।

(धनराशि हजार रुपये में)

अनुदान संख्या-30

लेखाशीर्षक	आयोजनागत
राजस्व लेखा	
2202-सामान्य शिक्षा	
01-प्रारम्भिक शिक्षा	
101-राजकीय प्राथमिक विद्यालय	
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0101-विद्यालयों में पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराया जाना	
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	80000.00
800-अन्य व्यय	
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0101-सर्व शिक्षा अभियान (25% राज्यांश)	
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	72000.00
योग-	152000.00

(रुपये पन्द्रह करोड़ बीस लाख मात्र)

अनुदान संख्या-31

लेखाशीर्षक	आयोजनागत
राजस्व लेखा	
2202-सामान्य शिक्षा	
01-प्रारम्भिक शिक्षा	
101-राजकीय प्राथमिक विद्यालय	
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0101-विद्यालयों में पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराया जाना	
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	3900.00
800-अन्य व्यय	
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0101-सर्व शिक्षा अभियान (25% राज्यांश)	
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	12000.00
योग-	15900.00

(रुपये एक करोड़ उन्सठ लाख मात्र)

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव।